# प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013

## विषय – हिन्दी (विशिष्ट)

## कक्षा – दसवीं

## सेट–सी

**समय– 3 घंटे** **पूर्णांक– 100**

**निर्देश–**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।

   प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

---

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आधुनिक काल का समय माना है –

(क) सन् 1900 से अब तक (ख) सन् 1843 से अब तक

(ग) सन् 1920 से अब तक (घ) सन् 1880 से अब तक

(ब) परीक्षा कहानी के लेखक है –

(क) प्रेमचन्द (ख) श्रीलाल शुक्ल

(ग) रामवृक्ष बेनीपुरी (घ) हरिकृष्ण प्रेमी

(स) सर्प को दूध पिलाने से दूध भी

(क) अमृत हो जायेगा (ख) खट्टा हो जायेगा

(ग) विषैला हो जायेगा (घ) मीठा हो जायेगा

(द) विदेश जाने पर कौन साथ देता है –

(क) धन (ख) विद्या

(ग) रिश्तेदार (घ) मान सम्मान

(इ) किस अलंकार में बात बढ़ा चढ़ाकर कही जाती है।

(क) वक्रोक्ति (ख) अतिशयोक्ति

(ग) अन्योक्ति (घ) यमक

प्रश्न 2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

(i) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्ति.....है।

(भक्ति निरूपण / रीति निरूपण)

(ii) स्वामी रामतीर्थ .....गये थे।

(जापान / चीन)

(iii) रामनरेश त्रिपाठी.....कवि है।

(आधुनिक काल के / भक्ति काल के)

(iv) शल्य चिकित्सा के प्रवर्तक.....है।

(सुश्रुत / वेदव्यास)

(v) छायावाद की विशेषता.....है।

(प्रकृति का मानवीकरण / यथार्थवादी चित्रण)

प्रश्न 3. स्तंभ क से ख का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये–

| **क** | – | **ख** |
|---|---|---|
| 1. महाकाव्य | – | 1907 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | द्वेपायन कृष्ण | – | लघु गुरू |
| 3. | हरिवंश राय बच्चन का जन्म | – | कामायनी |
| 4. | निंदा पूंजी होती है | – | महर्षि वेद व्यास |
| 5. | वर्णों के प्रकार | – | निंदकों की |
| | | – | गरीबों की |
| | | – | गोदान |

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. प्रगतिवादी कविता का मूल स्वर क्या है?
2. किस पेड़ की छाया में बैठना चाहिए?
3. रामधारी सिंह दिनकर किस प्रकार के कवि है?
4. कपिल धारा नाम क्यों पड़ा?
5. स्थायी भाव किसे कहते है?

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य बताइये –

1. नई कविता का युग 1950 का है।
2. सच्चा धर्म एकांकी में पुरूषोत्तम कर्मकांडी ब्राम्हण है।
3. महाजन का नाम शिबू था।
4. भगिनी निवेदिता का नाम मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल था।
5. रौद्र रस का स्थायी भाव उत्साह है।

प्रश्न 6. जायसी ने अपनी कविता में कितने द्वीपों और भवनों की चर्चा की है?

अथवा

श्रीकृष्ण के ललाट पर लगे टीके की तुलना किससे की गई है?

प्रश्न 7. तुलसीदास जी के मन मंदिर में सदैव कौन विहार करता है?

अथवा

धन दौलत का अभिमान क्यों नहीं करना चाहिए?

प्रश्न 8. 'प्रकृति चित्रण' कविता में कवि के अनुसार घनेरी घटाओं का क्या प्रभाव हो रहा है?

अथवा

कबीरदास जी के अनुसार किस वृक्ष के नीचे विश्राम करना चाहिए।

प्रश्न 9. ''वीरों का कैसा हो वसंत'' कविता में कवि के अनुसार मनुष्य का भीतरी गुण क्या है?

अथवा

कल्याण की राह कविता में कवि किसके साथ चलने की बात कह रहे है?

प्रश्न 10. 'बुनियाद चरमराने' से कवि का क्या आशय है?

अथवा

'चिर सजग' से कवि का क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 11. परम्परा से लेखक का क्या अभिप्राय है? समझाइये।

अथवा

वृत्तियों को वश में करने के लिए मनोवैज्ञानिक क्या उपाय बताते है? लिखिए।

प्रश्न 12. पुरूषोत्तम किसे सबसे बड़ा पातक समझता है? लिखिए।

अथवा

परीक्षा कहानी में गाड़ी पर किसान का वेश किसने धारण किया था और क्यों? लिखिए।

प्रश्न 13. गीता में ''परं'' का अर्थ क्या होता है? लिखिए।

अथवा

बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को कौन सा उपहार दिया लिखिए।

प्रश्न 14. युद्धिष्ठिर ने नकुल को जीवित कराने का निश्य क्यों किया?

अथवा

दीपक किस–किस को नमन करता है और क्यो?

प्रश्न 15. उदाहरण सहित विसर्ग संधि की परिभाषा लिखिए।

अथवा

द्वन्द समाज को उदाहरण से परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 16. हरिगीतिका छंद का एक उदाहरण लिखिए।

अथवा

दृश्य काव्य और श्रव्य काव्य में अंतर लिखिए।

प्रश्न 17. पुराणों के अनुसार नर्मदा की उपत्ति किस प्रकार हुई है?

अथवा

ज्ञान और दीपक में क्या संबंध है? लिखिए।

प्रश्न 18. रस की परिभाषा देते हुए उसकी निष्पत्ति तथा भेद लिखिए?

अथवा

वक्रोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 19. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(i) भूत मरे पलीत जागे (ii) गुदड़ी का लाल

(iii) आ बैल मुझे मार (iv) मान न मान मैं तेरा मेहमान

अथवा

दोहा, छन्द का एक उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 20. रिपोर्ताज किसे कहते है? इसकी कोई दो विशेषताएं तथा दो रिपोतार्ज लेखकों के नाम लिखिए?

अथवा

आत्मकथा एवं जीवनी में तीन अंतर लिखिए एवं दोनो का एक–एक उदाहरण लिखिए?

प्रश्न 21. नई कविता की कोई चार विशेषताएं लिखिए।

अथवा

रीति की कोई तीन विशेषताएं लिखकर रीतिकालीन किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 22. रामवृक्ष बेनीपुरी अथवा हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए :–

1. दो रचनाएँ
2. भाषा शैली
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 23. तुलसी दास अथवा महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएँ,
2. भावपक्ष, कला पक्ष,
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :–

अविगत गति कछु कहत न आवै।
ज्यौं गूंगो मीठे फल को रस, अंतर मन ही भावै।
परम स्वाद सबही सुनिरंतर, अमित तोष उपजावै।
मन बानी को अगम अगोचर जो जाने सौ पावै।
रूप रेख गुन जात जुगत बिनु, निरालंब कित धावै।
सब विधि अगम विचारहिं ताते सूर सगुन लीला पद गावैं।

अथवा

मान्य योग्य नहिं होत कोऊ कोरो पद पाये।
मान्य योग्य नर ते जे केवल परहित जाए।

प्रश्न 25. निम्न लिखित में से किसी एक गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः–

हमारे देश को दो बातों की सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्तिबोध और दूसरा सौंदर्यबोध। बस हम यह समझ ले कि हमारा कोई भी काम ऐसा न हो जो देश में कमजोरी की भावना को बल दे या कुरूचि की भावना को ही।

अथवा

शास्त्रों में सत्य और असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। अनेक बार सत्य के स्थान पर मिथ्याभाषण सत्य से भी बड़ी वस्तु होती है। जीवन में धर्म

से बड़ी कोई चीज नहीं है, धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है, तो असत्य सत्य से बड़ा हो जाता है।

प्रश्न 26. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

''मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से अलग उसके अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। परिचित तो बहुत होते है। परंतु मित्र बहुत कम हो पाते हैं क्योंकि मैत्री एक ऐसा भाव हैं जिसमें प्रेम के साथ समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है। मैत्री में सबसे आवश्यक है, परस्पर विश्वास, मित्र एक ऐसा सखा, गुरू और माता है जो सबके स्थानों को पूर्ण करता है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

2. मैत्री में कौन से भाव सम्मिलित है?

3. उपरोक्त गद्यांश का सारांश लिखिए?

प्रश्न 27. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश भोपाल को अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को हाईस्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने पर बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए?

1. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता
2. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या
3. स्वतंत्र भारत में नारी का स्थान
4. जीवन में खेलों का महत्व
5. महंगाई एक गंभीर समस्या है।

(ब) शेष बचे हुए विषयों में से किसी एक विषय की केवल रूपरेखा बनाइये।

– – – – – –

# आदर्श उत्तर

## हिन्दी विशिष्ट

### कक्षा–X

उत्तर 1. सही विकल्प का चयन :–

(i) सन् 1900 से अब तक

(ii) प्रेमचन्द

(iii) विषैला हो जायेगा

(iv) विद्या

(v) अतिशयोक्ति

**प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 2. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. रीति निरूपण।
2. जापान।
3. आधुनिक काल।
4. सुश्रुत।
5. प्रकृति का मानवीयकरण

**प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 3. सही जोडियां बनाइये –

| | **क** | – | **ख** |
|---|---|---|---|
| 1. | महाकाव्य | – | कामायनी |
| 2. | द्वेपायन कृष्ण | – | महर्षि वेद व्यास |
| 3. | हरिवंश राय बच्चन का जन्म | – | सन् 1907 |
| 4. | निंदा पूंजी होती है | – | निंदकों की |
| 5. | वर्णों के प्रकार | – | लघु गुरू |

**प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. प्रगतिवादी कविता का मूल स्वर शोषितों के प्रति सहानुभूति है।
2. जो बारह मास फलता हो उस पेड़ की छाया में बैठना चाहिए।
3. रामधारी सिंह दिनकर राष्ट्रीय भावना के ओजस्वी कवि है।
4. कपिल मुनि ने यहां तपस्या की थी इसलिए कपिल धारा नाम पड़ा।
5. स्थायी भाव के भाव है जो सह्दय के द्दय में स्थायी रूप से रहते है।

**प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 5. सत्य/असत्य का चयन –

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

**प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 6. कवि जायसी ने अपनी कविता में सात द्वीपों एवं भुवनों की चर्चा की है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

श्रीकृष्ण के ललाट पर लगे टीके की तुलना रवि मण्डल में स्थित सूर्य से की गई है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 7. तुलसीदास के मन मंदिर में अयोध्या नरेश के चारों पुत्र राम, लक्ष्मण, भरत ओर शत्रुघ्न विहार करते है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

क्योंकि लक्ष्मी स्थायी रूप से किसी के पास नहीं रहती। अतः धन दौलत का अभिमान नहीं करना चाहिए।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 8. कवि के अनुसार घनेरी घटाएं आकाश में घुमड़ कर गर्जना करती हुई घनघोर जल वर्षा कर रही है। जिसके कारण आसमान काला दिखलाई पड़ रहा है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

कबीर जी के अनुसार जिस वृक्ष में बारह महीने फल लगते हो, शीतल छाया हो तथा पक्षी जहां विश्राम करते है वहां विश्राम करना चाहिए।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 9. कवि के अनुसार स्वतंत्रता मनुष्य का भीतरी गुण है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

कवि नरेश मेहता ने इस कविता में सूरज के साथ चलने की बात की है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 10. बुनियाद चरमराने से कवि का तात्पर्य परम्पराओं के टूटने और उनके स्थान पर नवीन भाव बोध को स्वीकार करने से है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

मनुष्य प्राचीनकाल से ही सजग है। उत्साह को संचारित करने वाली शक्तियों से परिपूर्ण है। उसका लक्ष्य नाश्वान संसार में अपनी पहचान छोड़ना है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 11. परम्परा का शाब्दिक अर्थ है एक से दूसरे को दूसरे से तीसरे को दिया जाने वाला क्रम।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

यम–नियम, आसन प्राणायाय आदि वृत्तियां को वश में करने के बाह्य साधन है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 12. पुरूषोत्तम की दृष्टि से सबसे बड़ा पातक शरणागत की रक्षा नहीं करके उसका बलिदान देना है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

गाड़ी पर किसान के वेश में सरदार सुजान सिंह थे जो युवको की परीक्षा ले रहे थे।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 13. गीता में ''परं'' का अर्थ मन को किसी परम् उच्च लक्ष्य में लगाने से है तथा यहीं से उसका अन्यार्थ 'परमात्मा' से भी है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को मिट्टी की छोटी हंडिया में पावन्कर शहद भर कर उपहार में दिया।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 14. जिससे उनकी दोनों माताओं का एक–एक पुत्र जीवित रह सके।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

दीपक के उन पंच तत्वों को नमन किया जिनसे यह भौतिक शरीर बना है एवं मातृ भूमि को नमन करता है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 15. विसर्ग के पश्चात स्वर अथवा व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकास उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते है।

उदाहरण :– यशोगान – यशः + गान।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

जिस समास में दोनों पदों की प्रधानता होती है, उसे द्वन्द समास कहते है। दानों पदों को मिलाने पर योजक लुप्त हो जाता है।

उदाहरण –

पति और पत्नि – पति–पत्नि

अन्न और जल – अन्न–जल

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 16. हरिगीतिका छन्द का उदाहरण –

वह सनेह की मूर्ति दया मयि, माता तुल्य नहीं है।
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा, क्या कुछ शेष नहीं है।।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

दृष्य काव्य को रंगमंच पर अभिनीत होते देखकर आनन्द की अनुभूति होती है, श्रव्य काव्य को पढ़कर या सुनकर आनन्दानुभूति होती है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 17. पुराणो के अनुसार नर्मदा की उत्पत्ति आदि पुरूष शंकर के श्रम सीकरों से हुई है। नर्मदा सनातन नदी है। अमरकंटक में नर्मदा को जन्म देने वाला शिव का रूपक बहुत अर्थवान है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

पढ़ने–पढ़ाने का संबंध ज्ञान के प्रकाश से है। दीपक का संबंध अंधकार को दूर करने वाले प्रकाश से है। ज्ञान भीतर के अज्ञान रूपी अंधकार का नाश करता है तथा दीपक बाहर के अंधकार का नाश करता है। अतः दोनों सहकर्मी एवं सहधर्मी है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 18. परिभाषा :– किसी काव्य को पढ़ने, सुनने या देखने में पाठक, श्रोता या दर्शक को जिस आनंद की अनुभूति होती है उसे रस कहते है।

निष्पत्ति :– जब स्थाई भाव का संयोग विभाव, अनुभाव, संचारीभाव तथा व्यभिचारी भावों से होता है तब रस की उत्पत्ति होती है।

रस के भेद :– विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

जहां कथित वक्तव्य का ध्वनि द्वारा दूसरा अर्थ ग्रहण किया जाए वहां वक्रोक्ति अलंकार होता है।

वक्र उक्ति का अर्थ है –

(वक्र+उक्त= टेढ़ा मेढ़ा कथन)

उदाहरण :– मैं सुकुमारी नाथ बन जोगु।
तुमहि उचित तप, मो कहूं भोगू।।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 19. लोकोक्तियों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग

(1) भूत मरे पलीत जागे – एक समस्या का हल होते ही दूसरी समस्या आना।

वाक्य – रमेश ने जैसे तैसे कारोबार जमाया कि कारखाने में आग लग गई। सच ही है कि भूत मरे पलीत जागे।

(2) गुदड़ी का लाल – गरीबी में पला होनहार बालक।

वाक्य – लोग कहते है शंकर तो गुदड़ी का लाल है।

(3) आ बैल मुझे मार – मुसीबत मोल लेना।

वाक्य – शीला ने शिक्षक की झूठी शिकायत करके आ बैल मुझे मार वाली कहावत सिद्ध कर दी।

(4) मान न मान मैं तेरा मेहमान – जबरदस्ती गले पड़ना।

वाक्य– परीक्षा में बिन बुलाये मेहमानों से बहुत अव्यवस्था फैलती है परंतु क्या करे ऐसे मान न मान मैं तेरा मेहमान आ ही जाते है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

दोह छन्द का उदाहरण :–

मुखिया मुख सों चाहिए, खान–पान को एक।
पाले–पौसे सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 20. रिपोतार्ज– रिपोर्ताज एक नवीन विद्या है। रिपोतार्ज मूल रूप में फ्रेंच भाषा का शब्द है। जिसका अर्थ है हाल ही में घटी घटना तथा लेखक द्वारा प्रत्यक्ष देखी गई घटनाओं का आंतरिक अनुभव के साथ किया गया वर्णन रिपोर्ताज है। गद्य साहित्य में रिपोर्ताज का विशिष्ट स्थान है।

विशेषताएं – 1. आन्तरिक अनुभव के साथ वास्तविक घटना का वर्णन।
2. सूक्ष्म निरीक्षण।

दो रिपोतार्ज लेखक– रांगेय राधव, विष्णु प्रभाकर।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

आत्मकक्षा और जीवनी में अंतर –

| **सं.क्र.** | **आत्मकथा** | **जीवनी** |
|---|---|---|
| 1 | आत्मकथा लेखक के द्वारा स्वयं ही लिखी जाती है। | जीवनी अन्य लेखक के द्वारा लिखी जाती है। |
| 2 | आत्मकथा में लेखक स्वयं के बारे में लिखता है। उसमें उसके व्यक्तिगत अनुभव रहते है। | जीवनी में लेखक किसी दूसरे व्यक्ति के बारे में लिखता है। उसमें किसी अन्य व्यक्ति का |

| | | |
|---|---|---|
| | | चरित्र चित्रण किया जाता है। |
| 3 | आत्म कथा लिखकर लेखक आत्म परिष्कार एवं आत्म परीक्षण करना चाहता है। | जीवनी में लेखक अपने नायक के जीवन का वर्णन सत्य घटनाओं के आधार पर करता है। |
| | उदाहरण– बाबू गुलाबराय द्वारा लिखित मेरी असफलताएं। | उदाहरण– अमृतराय द्वारा लिखित प्रेमचन्द की जीवनी 'कलम का सिपाही'। |

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 21. नई कविता की विशेषताएं –

1. लघु मानववाद की प्रतिष्ठा।
2. प्रयोगों में नवीनता।
3. अनुभूतियों का यथार्थ चित्रण।
4. बिम्ब प्रधान।
5. कर्म प्रधान आदि।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

रीतिकाल की विशेषताएं –

1. कवियों का राज्याश्रित होना।
2. श्रृंगार रस में विशेष रूचि।
3. मुक्तक काल का बाहुल्य।
4. नये छन्दों और अलंकारों का प्रयोग।

प्रस्तुत रचनाएं –

1. बिहारी सतसई

2. रामचंद्रिका
3. सुजान सागर आदि।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 22. साहित्यिक परिचय– **रामवृक्ष बेनीपुरी**

1. **रचनाएंः–** पतितों के देश में (उपन्यास), चिता के फूल (कहानी), माटी की मूरते (रेखाचित्र)।
2. **भाषा शैलीः–** इनकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। इनकी भाषा में ओज है। सशक्त भाषा, विचार और भावों को अभिव्यक्त करने में पूर्ण समर्थ है। वर्णनात्मक शैली में यात्रा वर्णन तथा रेखा चित्र, कथानक शैली में कहानी उपन्यास तथा विचारात्मक शैली में निबंधों की रचना की है।
3. **साहित्य में स्थानः–** बेनीपुरी जी द्वारा रचित साहित्य हिन्दी साहित्य की अनमोल धरोहर है। रेखा चित्रकार के रूप में इनका विशिष्ट स्थान है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

साहित्यिक परिचय– **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

1. **रचनाएंः–** बाण भट्ट की आत्मकथा, चारू चन्द्र लेखा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, अशोक के फूल, कुटज, विचार और वितर्क, आलोक पर्व।
2. **भाषा शैलीः–** द्विवेदी जी की भाषा संस्कृत निष्ठ खड़ी बोली है। इसमें सरलता, गंभीरता विनोद प्रियता और विद्वता का अभूतपूर्ण समन्वय देखने को मिलता है। आप छोटे–छोटे सरल वाक्यों में गंभीर बात कह जाते है। आपके निबंधों में भारतीय साहित्य, संस्कृति एवं परंपरागत ज्ञान विज्ञान के साथ आधुनिक युग की विभिन्न परिस्थितियों, समस्याओं का सुन्दर समन्वय दिखाई पड़ता है।

3. **साहित्य में स्थानः–** हिन्दी साहित्य के शुक्लोत्तर युग में आप सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक निबंधकार के रूप में प्रतिष्ठित है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 23. साहित्य परिचय– **तुलसीदास**

1. **रचनाएं :–** रामचरित मानस, दोहावली, कवितावली, गीतावली, पार्वती मंगल आदि।
2. **भावपक्ष :–** सगुण भक्ति को ईश्वर प्राप्ति का साधन मानने वाले कविवर तुलसीदास तत्कालीन समाज में भक्ति कालीन कवि के साथ–साथ समाज सुधारक भी माने गये है। इसके लिए उन्होंने काव्य शास्त्र को माध्यम बनाकर हिन्दी साहित्य को श्रेष्ठ रचनाएं प्रदान की है।
3. **कलापक्ष :–** आपकी भाषा संस्कृत निष्ठ है। अवधि एवं ब्रजभाषा के साथ–साथ कहीं–कहीं अरबी, फारसी, बंगाली, पंजाबी भाषा की लोकोक्तियों का भी प्रयोग मिलता है। मुख्य रूप से अवधि भाषा का प्रयोग हुआ है।
4. **साहित्य में स्थान :–** हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ कवि हिन्दी साहित्यकारा में शशि के रूप में आप सुविख्यात है। आपकी हिन्दी साहित्य को अनूठी देन युग–युग तक अमर रहेगी।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

साहित्यक परिचय– **महादेवी वर्मा**

1. **रचनाएं :–** यामा, रश्मि, नीरजा
2. **भावपक्ष :–** आपकी काव्य रचना शत प्रतिशत भारतीय परम्परा पर आधारित है। इस कारण आपकी रचनाओं में दर्शन तथा रहस्यवाद अधिक है। वेदना का मधुर रस भी है। दलित वर्ग की नारी के उत्पीड़न का हृदयस्पर्शी चित्रण करने में महादेवी जी अनुपम है।

3. **कलापक्ष :–** कलापक्ष की दृष्टि से आपका काव्य गीति काव्य के अन्तर्गत आता है। आपकी रचनाओं में भावात्मकता, संगीतात्मकता, संक्षिप्तता आती है। भावानुकूल भाषा शैली। भावानुकूल ध्वनियां, शब्दों का प्रयोग आपके काव्य की विशेषता है। आपके काव्य में वर्णित पीड़ा व्यक्तिगत होकर भी समाष्टि को समेटे है।
4. **साहित्य में स्थान :–** महादेवी जी को आधुनिक हिन्दी साहित्य की मीरा कहा जाता है। छायावादी कवियों में आपका श्रेष्ठ स्थान है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 24. पद्यांश की व्याख्या

**संदर्भः–** उपरोक्त पंक्तियां पाठ्य पुस्तक नवनीत के विनय के पद से ली गई है इसके कवि सूरदास जी है।

**प्रसंगः–** सूरदास जी सगुण उपासना के अपने औचित्य को सिद्ध करने के लिए तर्क प्रस्तुत कर रहे है।

**व्याख्याः–** निराकार ब्रम्ह की स्थिति तथा स्वरूप के विषय में कुछ कहते नहीं बनता है। निर्गुण ब्रम्ह की प्राप्ति का आनंद गूंगे व्यक्ति के समान है। गूंगे को मीठे फल का आनंद तो प्राप्त होता है लेकिन उसका वह वर्णन नहीं कर सकता। ब्रम्ह की श्रेष्ठ आनंदानुभूति उसके मन को संतोष देती है। जो उसे जानता है वही उसे महसूस कर सकता है। निर्गुण ब्रम्ह का स्वरूप, आकृति, जाति कुछ भी नहीं है। ऐसी स्थिति में बिना किसी आधार के मन किधर भटके? इसलिए सूरदास जी सगुण ईश्वर श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान करते हैं।

**विशेषः–** सगुण उपासना को उत्तम बनाया गया है। शुद्ध साहित्यिक ब्रज भाषा का प्रयोग। विरोधाभास अनुप्रास अलंकार का प्रयोग।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

**संदर्भः–** पाठ्य पुस्तक नवनीत के विनय के नीतिधारा पाठ के नीति अष्टक शीर्षक से ली गई है इसके कवि भारतेन्दु हरिशचन्द्र है।

**प्रसंगः–** परहित करने पर कवि ने बल दिया है।

**व्याख्याः–** कवि कहते है कि ऊंचा पद प्राप्त कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति सम्माननीय नहीं हो जाता है। सदैव दूसरों की भलाई करने से ही मनुष्य सम्मान के योग्य होता है। अर्थात श्रेष्ठ गुणों का आदर सारा संसार करता है।

**विशेषः–** बोलचाल की व्यावहारिक ब्रजभाषा का प्रयोग, परोपकार का महत्व बतलाया गया है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 25. **गद्यांश की व्याख्या** –

**संदर्भः–** उपरोक्त पंक्तियां पाठ्य पुस्तक नवनीत के विनय के पाठ मैं और मेरा देश से ली गई है इसके लेखक कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर है।

**प्रसंगः–** देश के लिए शक्ति बोध और सौंदर्य बोध की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है।

**व्याख्याः–** भारत वर्ष के उत्थान के लिए दो बातें बहुत आवश्यक है। प्रथम है शक्ति का ज्ञान और दूसरा है सौंदर्य बोध। हमें किसी भी स्थिति में ऐसा काम नहीं करना है जो देश की हीनता या दुर्बलता का आभास दे। हमें ऐसा कोई काम भी नहीं करना है जो देश के कुरूचिपूर्ण स्वभाव का परिचय दे। हमें अपनी शक्ति के महत्व को समझते हुए देश के उत्थान के लिये कार्य करना होगा।

**विशेषः–** देश हित की भावना, साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग किया है, विवेचनात्मक शैली।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

**संदर्भः–** उपरोक्त पंक्तियां पाठ्य पुस्तक नवनीत के पाठ सच्चाधर्म से ली गई इसके लेखक सेठ गोविन्द दास है।

**प्रसंगः–** यहां लेखक ने बताया है कि धर्म की रक्षा हेतु बोला गया असत्य, सत्य से भी महान है।

**व्याख्याः–** पत्नी अहिल्या को समझाते हुए पुरूषोत्तम कहते है कि शास्त्रों में सत्य और असत्य के विषय में बड़ी सूक्ष्म व्याख्या की गई है। बहुत बार ऐसा होता है कि सत्य से असत्य अधिक श्रेष्ठ हो जाता है। मानव जीवन में धर्म सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि झूठ से धर्म सुरक्षित रहता है तो झूठ सत्य से बड़ा बन जाता है।

**विशेष :–** धर्म की रक्षा के लिए बोला गया झूठ सत्य से बढ़कर है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 26. अपठित गद्यांश

उत्तर 1. शीर्षक– सच्ची मित्रता।

उत्तर 2. मैत्री में त्याग और समर्पण की भावना मुख्य होती है।

उत्तर 3. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहकर ही उसका अस्तित्व है समाज में उसके परिचित आदि होते है। इसमें सच्चे मित्र बहुत कम होते है। क्योंकि सच्ची मित्रता में समर्पण और त्याग की भावना होती है। एक अच्छे मित्र में सखा, गुरू और माता सभी की पूर्ति हो जाती है।

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 27.

प्रति,

सचिव,

शा.उ.मा.वि.

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने हेतु।

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मैंने कक्षा दसवीं की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी किन्तु मेरी अंकसूची खो गई है। कृपया मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क बैंक ड्राफ्ट क्र. 52051 आपके नाम भेज रहा हूँ।

मुझसे संबंधित जानकारी इस प्रकार है :–

1. नाम – अंकित दुबे
2. पिता का नाम – श्री सतीश दुबे
3. परीक्षा – कक्षा दसवीं (2009)
4. परीक्षा केन्द्र – शा.उ.मा.वि., बरगीनगर
5. परीक्षा केन्द्र क्र. – 711068
6. अनुक्रमांक – 2010178
7. नियमित/स्वाध्यायी– नियमित
8. पूरा पता – अंकित दुबे पिता श्री सतीश दुबे
   एच–108, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.)
9. संलग्न– बैंक ड्राफ्ट।

आवेदक

दिनांक

अंकित दुबे

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

अथवा

**<u>परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर बधाई पत्र</u>**

28, जूनी इन्दौर

इन्दौर
दि. 25 जून 2011

प्रिय मित्र राजेश,

सप्रेम नमस्कार,

आज प्रातःकाल 'राज एक्सप्रेस' में तुम्हारा परीक्षा परिणाम देखा। जैसे ही तुम्हारा अनुक्रमांक प्रथम श्रेणी वाली तालिका में दिखा मैं खुश हो गया। इस सफलता की तुम्हें हार्दिक बधाई। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम जीवन की प्रत्येक परीक्षा में इसी तरह उत्तीर्ण होते रहो।

अन्य समाचारों की जानकारी देना। घर पर अंकल–आंटी को मेरा नमस्ते कहना।

तुम्हारा मित्र
सुरेश मालवीय

**उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।**

उत्तर 28. **निबंध लेखन–**

## पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

'मानवता पर बढ़ रह सत्त प्रदूषण भार।
मनुज अचेतन हो रहा कैसे हो उद्धार।।'

1. प्रस्तावना
2. वैज्ञानिक प्रगति और प्रदूषण
3. प्रदूषण का घातक प्रभाव
4. पर्यावरण शुद्धि
5. उपसंहार

**प्रस्तावना –** ईश्वर ने पृथ्वी का निर्माण करते समय प्रकृति की गोद में उज्जवल प्रकाश, शीतल जल एवं कोमल वायु नामक वरदान डालकर मनुष्य एवं अन्य जीव जंतुओं को एक स्वच्छ वातावरण दिया था जिसे मनुष्य ने सरहदे खींचकर अपनी अभिलाषाएं पूरी करने हेतु प्रकृति को स्वामिनी के महत्वपूर्ण पद से हटाकर दासी के स्थान पर प्रतिष्ठित कर दिया हैं। मानव मन की जिज्ञासा और नयी–नयी खोजो की भूख के परिणाम स्वरूप प्रकृति के सरल कार्यों में हस्तक्षेप करना मुख्यतः प्रदूषण के स्वरूप में दिखता है :–

**अंधकारमय भविष्य –** मनुष्य ने वैज्ञानिक प्रगति की आंधी में बहकर वायु, जल, भूमि एवं ध्वनि प्रदूषण इतना बढ़ा दिया है कि उसके प्रकोप अब पलटकर मनुष्य पर ही पड़ रहे है मनुष्य ने प्रकृति को इतना विकृत कर दिया है कि यह किसी के लिए भी हितकर नहीं रहा है। पर्यावरण एक व्यापक शब्द है, जिसका समान अर्थ है–प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया समस्त भौतिक और सामाजिक वातावरण। इसमें जल, वायु, भूमि, पेड़ पौधे, पर्वत तथा प्राकृतिक संपदा और परिस्थितियां आदि का समावेश होता है।

आज पर्यावरण प्रदूषण की वजह से जीवन दुखमय हो गया है। मनुष्य ने खनिजों हेतु खनन व्यापक स्तर पर किया है एवं व्यापार के नाम पर बड़े–बड़े जहरीला धुआ उगलने वाले कारखानों का निर्माण किया है। इन्ही कारखानों ने जल में अपना कचरा फैलाया जिससे जल प्रदूषण बढ़ा। जंगलों को तो बचने भी नहीं दिया जिससे प्राणियों के रहने की जगह की समस्या उत्पन्न हो गई। वैज्ञानिक प्रगति की मोह माया में मनुष्य ने अपनी माता तुल्य गंगा मैया तक को नहीं बख्शा है। कृषि में रासायनिक खाद को प्रयोग में लाकर मनुष्य ने अनेक प्रकार के रोगों एवं विषैले प्रभाव को जन्म दिया है। इस प्रकार वैज्ञानिक प्रगति पर्यावरण प्रदूषण में सहायक बनी।

**प्रदूषण का घातक प्रभाव –** आधुनिक युग में संपूर्ण संसार पर्यावरण के ज्वर प्रदूषण से पीड़ित हैं। हर सांस के साथ इसका जहर शरीर में प्रवेश पाता है और तरह–तरह की विकृतियां पनपती है। इस संभावना से इनकार नहीं किया

जा सकता कि प्रदूषण की इस बढ़ती हुई गति से एक दिन पृथ्वी प्राणी तथा वनस्पतियों से विहीन हो सकती है। तब सभ्यता तथा प्रगति एक बीती हुई कहानी बनकर रह जाएगी।

**पर्यावरण शुद्धि –** दिनोंदिन बढ़ने वाले प्रदूषण की आपदा से बचाव का मार्ग खोजना आज की महती आवश्यकता है। इसके लिए सबको एकजुट होकर इन विनाशकारी ताकतों से दो–दो हाथ करने होंगे। वृक्षों की रक्षा कर इस महान् एवं दुष्ट संकट से मुक्ति पाई जा सकती है। ये हानिकारक गैसों के प्रभाव को नष्ट करके प्राण वायु प्रदान करते है, भूमि के क्षरण को रोकते है एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करते हैं।

**उपसंहार –** पर्यावरण की सुरक्षा और उचित संतुलन के लिए हमें जागरुक और सचेत होना परम आवश्यक है। वायु, जल ध्वनि, भूमि तथा प्रकृति के प्रत्येक अंश के प्रति हमारी जिम्मेदारी होती है कि हम उसका सदुपयोग करें एवं आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर पर्यावरण प्रदान करें। मनुष्य को अपनी अभिलाषाओं एवं प्रकृति की संवेदनाओं के बीच संतुलन बनाना ही होगा अन्यथा विनाश की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

कुल 7 अंक

(ब) रूपरेखा –

स्वतंत्रता में नारी का स्थान

1. प्रस्तावना
2. वैदिक काल में नारी
3. नारी के विशेष गुण
4. पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव
5. वर्तमान स्वरूप
6. उपसंहार।

कुल 3 अंक

**निर्देशः–** निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – – –